

LABOUR DEPARTMENT

The 11th August, 1993

No. 14/26/90-6Lab.—Whereas the Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hissar has requested for the grant of exemption from all the provisions of the Factories Act, 1948.

And whereas the Governor of Haryana is satisfied that the provisions of the Scheme submitted by a person having control on the Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hissar, for regulation of hours of employment, intervals for meals and holidays of the persons employed in or attending the said institution or who are inmates thereof, are not less favourable than the corresponding provisions of the aforesaid Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 86 of the Factories Act, 1948, the Governor of Haryana hereby exempts the Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hissar the provisions of all the sections except sections 6 and 7 and Chapter IV of the said Act, for a period of five years.

S. K. SHARMA,

Financial Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Department.

श्रम विभाग

दिनांक 11 अगस्त, 1993

संख्या 14/26/90-6श्रम.—चूंकि हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार ने कारखाना अधिनियम, 1948 के सभी उपबन्धों से छूट के लिए प्रार्थना की है। और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की संतुष्टि हो गई है कि नियोजन के घंटों, भोजन के लिए अन्तरालों और उक्त संस्था में नियोजित या देखभाल में लगे व्यक्तियों के राजपत्रित अवकाशों के विनियमन के लिए हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार पर नियन्त्रण रखने वाले व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत स्कीम के उपबन्ध, उर्पयुक्त अधिनियम के अनुरूप उपबन्धों से कम अनुकूल नहीं है।

इसलिए, अब, कारखाना अधिनियम, 1948, की धारा 86 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6, 7 तथा अध्याय IV के सिवाय सभी धाराओं के उपबन्धों से हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार को पांच वर्ष की अवधि के लिए छूट देते हैं।

एस० के० शर्मा,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर पुरस्कार

दिनांक 11 अगस्त, 1993

क्रमांक 2133-ज-II-93/14846.—श्री किशन सिंह, पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी गाँव मंघार, तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला अब यमुनानगर को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1 ए) तथा 3 (-1 ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2045-आर-(4)-66/1964, दिनांक 13 जून, 1967 द्वारा 140 रुपये वार्षिक और उसके बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 200 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 200 रुपये से बढ़ाकर 350 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री किशन सिंह की दिनांक 12 फरवरी, 1992 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री किशन सिंह की विधवा श्रीमती शरण कौर के नाम खरीफ, 1992 से 350 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 18 अगस्त, 1993

क्रमांक 2334-ज-II-93/15330.—श्री काका सिंह, पुत्र श्री भुला सिंह, निवासी गांव खारवन, तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला अब यमुनानगर को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5547-आर(III)-68/4610, दिनांक 9 दिसम्बर, 1968 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री काका सिंह की दिनांक 21 दिसम्बर, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री काका सिंह की विधवा श्रीमती संत कौर के नाम खरीफ, 1986 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

भार. एल. चापला,

भवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।

वित्त विभाग

(विकास)

दिनांक 5 जुलाई, 1993

सं० 1722-2 वि० वि० II/93.—नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वस्तु, शक्तियों तथा सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 14 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा 1983-84 से 1988-89 तक की अवधि से सम्बन्धित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के लेखों का लेखा परीक्षण महालेखवार (लेखा परीक्षा), हरियाणा, चाण्डीगढ़ द्वारा करवाने का आवश्यक अनुमोदन प्रदान करते हैं।

जे० डी० गुप्ता,

सचिव, हरियाणा सरकार,
वित्त विभाग।

INDUSTRIES DEPARTMENT

The 12th August, 1993

No 1/1/16/4IBII-82.—In partial modification of para 2 of Haryana Government Industries Department notification issued,—vide No. 1/1/16-4IBII-82, dated 30th July, 1992, the Governor of Haryana is pleased to allow honorarium of Rs. 3,000 instead of Rs. 1,800 to Sri Daram Pal Singh, Chairman, Haryana Khadi and Village Industries Board, Panchkula in terms of the Political Department U. O. No. 36/2/93-Pol(4P), dated 8th April, 1993. The total value of all emoluments and perquisites except those mentioned in para 5 and 6 of the above referred notification shall not exceed the amount of Rs. 6,000 (Rupees Six thousand only) per month.

R. S. MALIK,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Industries Department.